www.UniversityQuestionPapers.com

हिंदी (संपूर्ण)

समय : ३ घंटे) **प्रश्नपत्रिका : सप्टेंबर २००९** (कुल अंक : ८०

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

प्र. १ : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक के गद्य पाठों के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास-साठ शब्दों में हो । (११)

(१) जादूगर को राजदरबार में उँचा स्थान क्यों मिला? (२) राष्ट्रपिता गांधीजी ने हमें क्या सिखाया?
(३) घर में शंकर क्या-क्या काम करता था ? (४) गायत्री को सच्चे सुख का कौन-सा रहस्य मालूम हो गया ?
(५) यात्रा पर निकलने के कौन-से तरीके लेखक अज्ञेयजी ने बताये हैं ?
(६) डॉ. माशेलकर ने युवकों से क्या अपेक्षा की है? क्यों ?

www.UniversityQuestionPapers.com

www.UniversityQuestionPapers.com

www.UniversityQuestionPapers.com

प्र. २ : (अ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पाठ्य पुस्तक के आधार पर केवल एक-एक पूर्ण वाक्य में लिखिए । **(०३)**

(१) लेखक काकासाहेब कालेलकर जी अपने को 'सह्यपुत्र' क्यों कहते हैं?

(२) रंगीन ऐनक का आविष्कार किसने किया? (३) मगनसिंह की माँ को बीजक कहाँ मिला ?

(आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों में आये हुये शब्दों से कीजिये और पूर्ण वाक्य फिर से लिखिये । रिक्त-स्थान-पूरक शब्दों को अधोरेखित कीजिए । **(०३)**

(१) सारा घर ..... कर रहा था । (२) जिसने पैदा किया है, वह ... भी करेगा । (३) हम स्वतंत्र .... राष्ट्र बना रहे हैं ।

(इ) पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधार पर यह लिखिये कि निम्नलिखित प्रत्येक वाक्य किसने और किससे कहा है । प्रत्येक उत्तर पूर्ण वाक्य में हो । **(०२)**

(१) "आप आ गये, बड़ी दया की ।" (२) "इसी का नाम जीवनरस है ।"

(ई) पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधार पर निम्नलिखित विधानों के साथ दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण करके फिर से लिखिए । **(०२)**

(१) छड़ी टेककर चलना उनके विचार से .....

(अ) बीमारी का चिह्न था । (ब) बुढ़ापे का चिह्न था । (क) लूलेपन का चिह्न था ।

(२) डूबती नाव फिर .....

(अ) डूबने लगी थी । (ब) तैरने लगी थी । (क) पार लग रही थी ।

प्र. ३ : (क) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक की पठित कविताओं के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास शब्दों में हो । **(०९)**

(१) श्रीकृष्ण की शिकायत का उत्तर यशोदा किस प्रकार देती हैं ?

(२) राष्ट्रसंत तुकडोजी ने जीवित मानव की क्या पहचान बताई है?

(३) 'शहीद' पाठ के आधार पर बताइये कि शहीद हमें क्या संदेश देते हैं ?

(४) कवि भटनागरजी 'बिजलियाँ' गिरने नहीं देंगे' पाठ के आधार पर हम भारतीयों की क्या-क्या विशेषताएँ बताते हैं ?

(५) 'दाने मकई के' पाठ के आधार पर मकई के दाने किसान के घर क्यों जाना चाहते हैं ?

(ख) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पाठ्यपुस्तक की पठित कविताओं के आधार पर एक-एक पूर्ण वाक्य में लिखिये । **(०५)**

(१) बालक श्रीकृष्ण को किसने खिझाया ? (२) सोना पाने मात्र से क्या हो जाता है ?

(३) यशोधरा अंत में क्या निश्चय करती है ? (४) बालिका में किसकी क्षमाशीलता है ?

(५) धरती मनुष्य को कहाँ देखना चाहती है ?

(ग) पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति करके वाक्य फिर से लिखिए । रिक्त-स्थान-पूरक शब्दों को अधोरेखित कीजिये । **(०४)**

(१) वही ... समझा जाता, जो मौत पड़े पर नहिं डरता । (२) यदि वे चल आए हैं इतना, तो दो ... उनको है कितना ?

(३) शाही शान ..... की है, मनोकामना मतवाली । (४) मिट्टी की .... तज हम, चलने को हैं तैयार ।

प्र. ४ : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पाठ्य-पुस्तक की पठित लोककथाओं के आधार पर अपने शब्दों में लिखिये । उत्तर लगभग साठ शब्दों में हो । **(०८)**

(१) युवक हंस ने कौए को किस प्रकार सबक सिखाया ? (२) बुड्ढे पितामह का स्वास्थ्य कैसा था ? क्यों ?

(३) राजा को किस बात का अभिमान था? क्यों ? (४) 'काठ के जूते' कहानी से कौन-सा संदेश मिलता है?

अथवा

निम्नलिखित लोककथाओं में से किसी एक लोककथा का सारांश पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिये । सारांश लगभग एक सौ पचास शब्दों में हो ।

(१) मानव-प्रेम (२) निर्दयी राजा और सयानी बुढ़िया ।

प्र. ५ : (ट) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों का अर्थ लिखकर उनका अपने सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिये । प्रत्येक मुहावरे के लिये अलग-अलग वाक्य हो । प्रयुक्त मुहावरों को अधोरेखित कीजिये । **(०३)**

(१) नजर नसाई जाना; (२) चल बसना; (३) आँखें खुलना; (४) जड़ से उखाड़ना; (५) राह देखना ।

(ठ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों को कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिये । **(०३)**

(१) उन्हें दूर-दूर की यात्रा करनी पड़ती है । **(पूर्ण भूतकाल)**

(२) पश्चाताप कर लेने पर मनुष्य के पाप धुल जाते हैं । **(पूर्ण वर्तमानकाल)**

(३) अम्मी खीझकर कहती है । **(अपूर्ण भूतकाल)**

(४) नक्शों से यह फायदा होता है । **(सामान्य भविष्यत्काल)**

(ड) निम्नलिखित अव्ययों में से किन्हीं दो का अव्यय के रूप में ही सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए । प्रत्येक

www.UniversityQuestionPapers.com

अव्यय के लिए स्वतंत्र वाक्य हो । प्रयुक्त अव्यय को अधोरेखांकित कीजिये । **(०२)**

(१) पास; (२) अच्छा; (३) और ।

(ढ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए । **(०२)**

(१) नैरोबी की किसी अस्पताल में कुछ लिखा था । (२) अजय ने दरवाजे से बाहर खड़े होकर जोर से आवाज दिया ।
(३) हर गली में उसका दुकान खुल गया ।

प्र. ६ : निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग १५० से २०० शब्दों में निबंध लिखिए । **(०८)**

(१) मेरी अविस्मरणीय यात्रा; (२) भारतीय किसान;
(३) यदि मैं वैज्ञानिक होता; (४) एक घायल सैनिक की आत्मकथा ।

प्र. ७ : (अ) निम्नलिखित पत्र का नमूना तैयार कीजिए । **(०५)**

प्रियंका / प्रवीण देसाई, १५ 'शारदा', शिवाजीनगर, पुणे ५ से व्यवस्थापक, सरस्वती भंडार, कोल्हापुर, ४१६००१ को पत्र लिखकर निम्नलिखित पुस्तकें मँगवाती / मँगवाता है ।

निर्मला (उपन्यास) - प्रेमचंद गोदान (उपन्यास) - प्रेमचंद
रेखा और रंग - डॉ. विनय मोहन शर्मा कुछ विचार-कुछ अनुभव - डॉ. मोहन धारिया ।

अथवा

सुनिता/सुनील राऊत, ५२५, जवाहर चौक, गंगाखेड़ से श्री मुख्याध्यापक, सरस्वती कन्या विद्यालय, परभणी को अपनी छोटी बहन को पाँचवीं कक्षा में प्रवेश दिलाने के लिये प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

(ब) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए और उसे उचित शीर्षक दीजिए । कहानी से मिलने वाली सीख लिखिए । **(०५)**

सज्जन का गुणवान पुत्र -- बुरी संगत -- पिता को दुख -- उपदेश व्यर्थ -- बाजार से अच्छे आमों की टोकरी खरीदना -- पुत्र को बुलाकर उन आमों में एक सड़ा आम रखवना -- दूसरे दिन खाने के लिये टोकरी खोलना -- सारे आम सड़े हुये -- पुत्र पर असर -- पिता का उपदेश ।

www.UniversityQuestionPapers.com

अथवा

नूतन विद्यालय, नासिक में मनाये गये 'शिक्षक दिवस' समारोह का रोचक भाषा में वृत्तांत तैयार कीजिये । वृत्तांत में स्थल, काल, घटना आदि का उल्लेख कीजिए ।

प्र. ८ : निम्नलिखित गद्यखंड के आधार पर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए ।

परोपकार मनुष्य के सभी का मूल है । परोपकार के कारण मनुष्य के जीवन में अनेक प्रकार के गुण आ जाते हैं । परोपकार एक ऐसा जादू हैं, जो मनुष्य के हृदय में पवित्रता, दया, क्षमा, त्याग, प्रेम आदि गुणों को उत्पन्न करता है । इस प्रकार परोपकार सभी गुणों की खान है । सत्य तो यह है कि परोपकारी मनुष्य साक्षात् ईश्वर के समान होता है । उसका हृदय सागर की भाँति विशाल होता है । संपूर्ण मानव समाज के लिये उसमें प्रेम भरा रहता है । अत: परोपकारी मनुष्य विश्वबंधु होता है । परोपकार से मनुष्य को सच्चा आनंद और सच्चा सुख मिलता है । राजा अपनी शक्ति के बल पर मनुष्य के शरीर पर अधिकार कर सकता है, किंतु परोपकार करने वाला मनुष्य असंख्य मनुष्यों के मन को जीत लेता है ।

प्रश्न : (१) परोपकार से मनुष्य में कौन-से गुण उत्पन्न होते हैं ? **(०१)**
(२) परोपकार से परोपकारी मनुष्य को क्या लाभ होते हैं ? **(०१)**
(३) राजा और परोपकारी मनुष्य में क्या अंतर होता हैं ? **(०१)**
(४) इस गद्यखंड को उचित शीर्षक दीजिए । **(०१)**

www.UniversityQuestionPapers.com